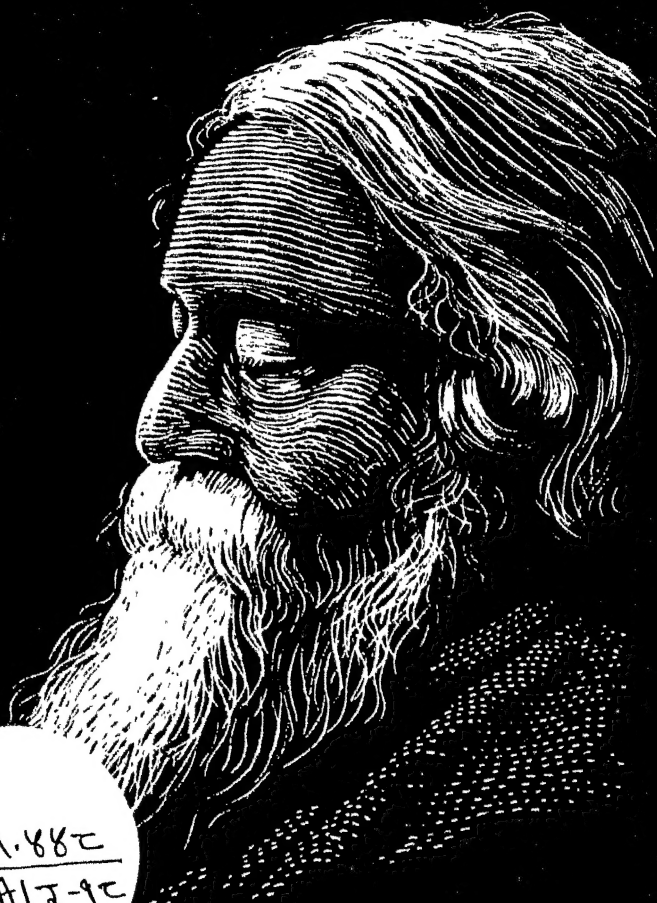


# रवीन्द्र-साहित्य



८६१.४४८  
रवीन्द्र-१८

श्रध्दनुभाजैत